U.G. 2nd Semester Examination - 2022

SANSKRIT

[PROGRAM]

Course Code : BSNSCCRT 201

Course Title : Sanskrit Composition and Communication

Full Marks : 40 Time : 2 Hours

The figures in the right-hand margin indicate marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. অধোলিখিতেষু **দশ** প্রশ্না: সমাধেয়া : 1×10=10

নিচের যে-কোনো **দশটি** প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

i) सम्बोधने का विभक्ति: भवति?

সম্বোধনে কোন্ বিভক্তি হয়?

ii) कस्मिन् कारके तृतीया विभक्ति: भवति?

কোন্ কারকে তৃতীয়া বিভক্তি হয়?

iii) कृ + ण्यत् = ?

কৃ + ণ্যৎ = ?

iv) अधिकरणकारके का विभक्ति: भवति?

অধিকরণকারকে কি বিভক্তি হয়?

v) केन सूत्रेण निष्ठासंज्ञा भवति?

কোন্ সূত্রের দ্বারা নিষ্ঠা সংজ্ঞা হয়?

vi) लघुसिद्धान्तानुकौमूदीसारेण समास: कतिविध:?

লঘুসিদ্ধান্তকৌমুদী অনুসারে সমাস কয় প্রকার?

vii) 'राजानं क्षमां याचते'—रेखाङ्कितपदे केन सूत्रेण द्वितीया विभक्ति:?

'রাজানং ক্ষমাং যাচতে'—কোন্ সূত্রের দ্বারা রেখাঙ্কিত পদে দ্বিতীয়া বিভক্তি হয়েছে?

viii) वद् + क्त्वा = ?

বদ্ + ক্ত্বা = ?

ix) 'भोज्य'—इत्यस्य वैकल्पिकं रूपं किम्?

ভোজ্য'—এই পদটির বৈকল্পিক রূপ কি?

x) 'रामेण पुस्तकं पठ्यते'—वाक्यमिदं कर्तृवाच्ये लिख्यताम्।

'রামেণ পুস্তকং পঠ্যতে'—এই বাক্যটি কর্তৃবাচ্যে লেখ।

xi) 'वर्षासु पिच्छिल: पन्था:'—इत्यस्य वाक्यस्य कोऽर्थ:?

'বর্ষাসু পিচ্ছিলঃ পন্থা'—এই বাক্যটির অর্থ কি?

xii) 'बालिका निबन्धटि लिखते पारत'—वाक्यमिदं संस्कृतभाषायामनुवाद: क्रियताम्।

'বালিকা নিবন্ধটি লিখতে পারত'—এই বাক্যটি সংস্কৃত ভাষায় অনুবাদ কর।

xiii) आ + हन् + ल्यप् = ?

आ + हन् + ल्यप् = ?

xiv) 'तेन गीता पठितव्या'—इत्यत्र रेखांकितपदे कः प्रत्ययः वर्तते?

'तेन गीता पाठतव्या'—এই বাক্যের রেখাঙ্কিত পদে কোন্ প্রত্যয় রয়েছে?

xv) अपादानकारकविधायकं सूत्रं लिख्यताम्।

অপাদানকারক বিধায়ক সূত্রটি লেখ।

2. अधोलिखितेषु **पञ्च** प्रश्नाः समाधेयाः : 2×5=10

নিম্নলিখিত **পাঁচটি** প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

i) 'प्रातिपदिकम्'—इत्यनेन किं बुध्यते?

'প্রাতিপদিক'—এই শব্দের দ্বারা কি বোঝায়?

ii) वाच्यं कतिविधम्? नामानि लिख्यन्ताम्।

বাচ্য কয় প্রকার ও কি কি?

iii) 'अहं पुस्तकं पठामि'—वाक्यमिदं कर्मवाच्ये लिख्यताम्।

'অহং পুস্তকং পঠামি'—এই বাক্যটি কর্মবাচ্যে লেখ।

iv) 'त्रियमुनम्'—इत्यत्र केन सूत्रेण समासः?

'ত্রিয়মুনম্'—এখানে কোন্ সূত্রের দ্বারা সমাস হয়েছে?

v) 'परशुना काष्ठं छिनत्ति'—रेखांकितपदस्य ससूत्रं कारकविभक्ती लिख्येताम्।

'পরশুনা কাষ্ঠং ছিনত্তি'— রেখাঙ্কিত পদটির সূত্র সহিত কারক ও বিভক্তি লেখ।

vi) 'बालिकाः अहसन्'—वाक्यमिदं भाववाच्ये लिख्यताम्।

'বালিকা অহসন্'—এই বাক্যটি ভাববাচ্যে লেখ।

vii) कस्मिन्नर्थे के सूत्रेण च ल्यप्प्रत्ययः भवति?

কি অর্থে এবং কোন্ সূত্র দ্বারা ল্যপ্প্রত্যয় হয়?

viii) आधारः कतिविधः? नामानि लिख्यन्ताम्।

আধার কয় প্রকার ও কি কি?

3. किमपि प्रश्न**द्वयं** समाधेयम् : 5×2=10

যে-কোনো **দুটি** প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

i) अकथितं च—सूत्रमिदं सोदाहरणं व्याख्यायताम्।

অকথিতং চ—এই সূত্রটির সোদাহরণ ব্যাখ্যা লেখ।

ii) बंगभाषया अनुवादः क्रियताम् :

বাংলা ভাষায় অনুবাদ কর ঃ

अतीव रामणीयः देशोऽयम्। उत्तरस्यां दिशि हिमालयो नाम नागाधिराजः तिष्ठति। दक्षिणास्यां दिशि च महासागरः वर्तते, यः अस्य चरणौ प्रक्षालयति। तत्र बहवः विद्वांसः विद्यार्थिनश्च शिक्षार्थं ज्ञानार्थं च आगच्छन्ति स्म। एवम् अति प्राचीनः भारतस्य इतिहासः वर्तते।

iii) संस्कृतभाषया अनुवादः क्रियताम् :

সংস্কৃত ভাষায় অনুবাদ কর ঃ

প্রাচীন কালে দশরথ নামে একজন রাজা ছিলেন। তাঁর চারজন পুত্র সন্তান এবং একজন কন্যা সন্তান ছিল। পুত্রদের মধ্যে রাম জ্যেষ্ঠ ও শ্রেষ্ঠ ছিলেন। রাজার পুত্রদের

মধ্যে অনেক ভ্রাতৃত্ব বোধ ও স্নেহ ছিল। তাই আমাদের মধ্যেও ভ্রাতৃত্ব বোধ থাকা উচিৎ।

4. अधोलिखितेषु विषय**मेक**माधारीकृत्य नातिदीर्घो निबन्धो विरच्यताम् : $10\times1=10$

নিম্নলিখিত যে-কোনো **একটি** বিষয়ের উপর নিবন্ধ লেখ ঃ

i) महाभारतस्य प्रभाव:

মহাভারতের প্রভাব

ii) उपनिषद: दार्शनिकं महत्त्वम्

উপনিষদের দার্শনিক মহত্ব

iii) संस्कृतस्य महात्म्यम्

সংস্কৃতের গুরুত্ব

———————